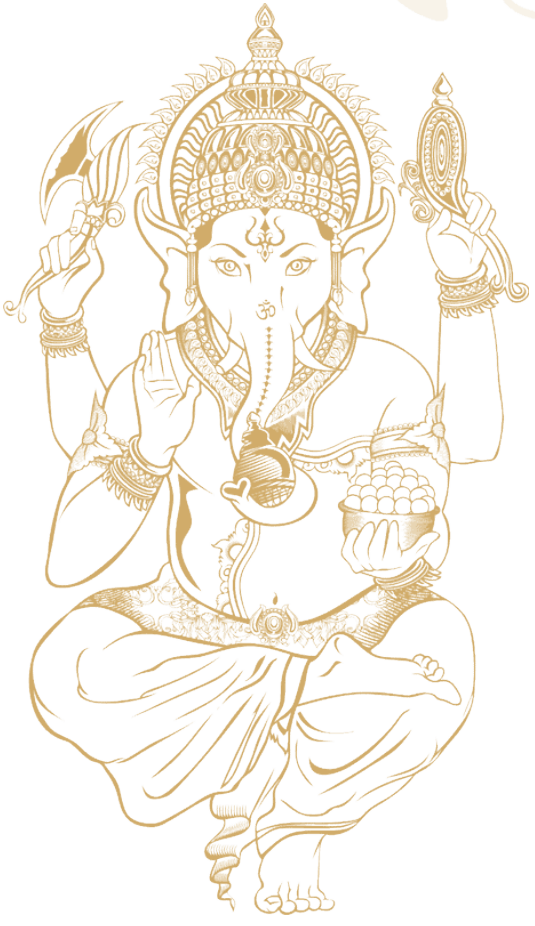

Yugal Sharma

11 Feb 1999

02:10 PM

Ashok Vihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121859003

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/02/1999**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**14:10:00 घंटे**
इष्ट	17:45:47 घटी
स्थान	**Ashok Vihar**
राज्य	Delhi
देश	India

अक्षांश	28:42:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:48:40 घंटे
वेलान्तर	-00:14:17 घंटे
साम्पातिक काल	23:12:34 घंटे
सूर्योदय	07:03:41 घंटे
सूर्यास्त	18:07:49 घंटे
दिनमान	11:04:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	28:19:16 मकर
लग्न के अंश	07:51:54 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	हर्षण
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:51:54	328:24:49	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			मक	28:19:16	01:00:43	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	29:45:48	12:13:11	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	नीच राशि
मंगल			तुला	12:00:29	00:19:28	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	03:49:09	01:49:06	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु			मीन	05:47:19	00:13:01	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	23:10:00	01:14:23	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			मेष	04:37:47	00:04:29	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:18:13	00:00:02	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:18:13	00:00:02	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:27:33	00:03:28	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:45:43	00:02:11	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:23:16	00:01:02	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	23:15:36	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:31

लग्न-चलित

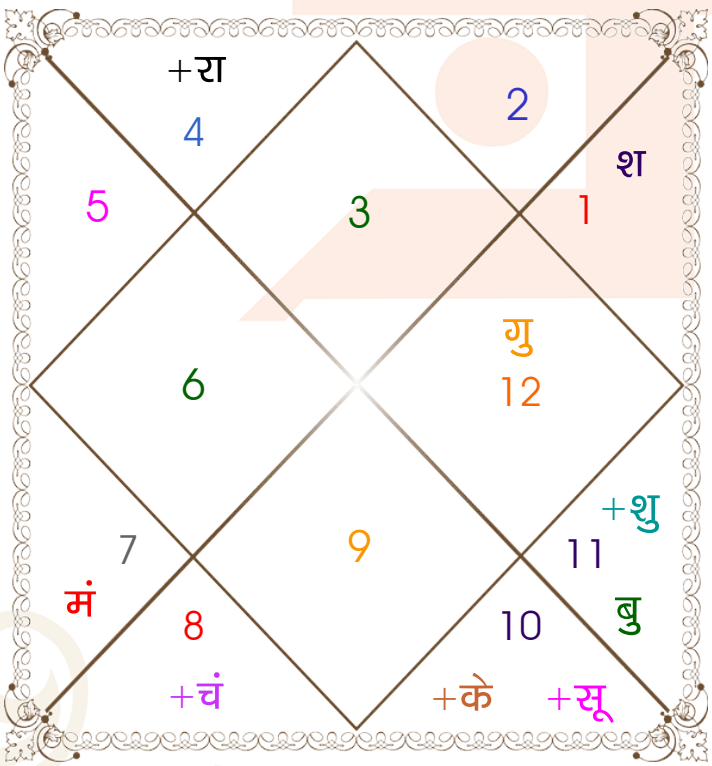

चन्द्र कुंडली

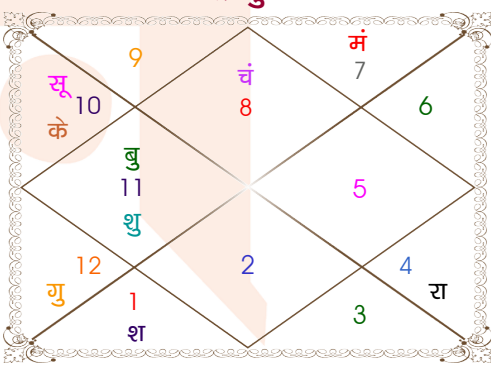

नवमांश कुंडली

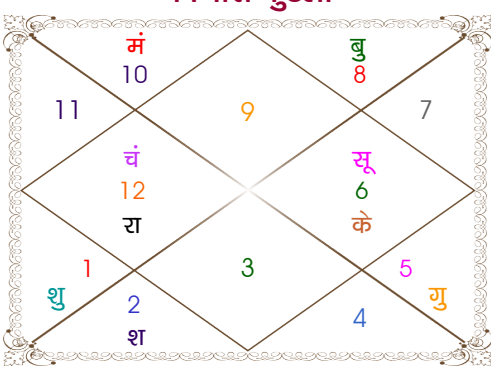

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 0 वर्ष 3 मास 18 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/02/1999		01/06/1999		01/06/2006		01/06/2026		01/06/2032	
01/06/1999		01/06/2006		01/06/2026		01/06/2032		01/06/2042	
	00/00/0000	केतु	28/10/1999	शुक्र	01/10/2009	सूर्य	19/09/2026	चंद्र	01/04/2033
	00/00/0000	शुक्र	28/12/2000	सूर्य	01/10/2010	चंद्र	20/03/2027	मंगल	31/10/2033
	00/00/0000	सूर्य	04/05/2001	चंद्र	01/06/2012	मंगल	26/07/2027	राहु	02/05/2035
	00/00/0000	चंद्र	04/12/2001	मंगल	01/08/2013	राहु	19/06/2028	गुरु	31/08/2036
	00/00/0000	मंगल	02/05/2002	राहु	31/07/2016	गुरु	07/04/2029	शनि	01/04/2038
	00/00/0000	राहु	20/05/2003	गुरु	01/04/2019	शनि	20/03/2030	बुध	01/09/2039
	00/00/0000	गुरु	25/04/2004	शनि	01/06/2022	बुध	25/01/2031	केतु	01/04/2040
	11/02/1999	शनि	04/06/2005	बुध	01/04/2025	केतु	01/06/2031	शुक्र	30/11/2041
शनि	01/06/1999	बुध	01/06/2006	केतु	01/06/2026	शुक्र	01/06/2032	सूर्य	01/06/2042

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/06/2042		01/06/2049		01/06/2067		01/06/2083		02/06/2102	
01/06/2049		01/06/2067		01/06/2083		02/06/2102		12/02/2119	
मंगल	28/10/2042	राहु	12/02/2052	गुरु	20/07/2069	शनि	04/06/2086	बुध	29/10/2104
राहु	16/11/2043	गुरु	08/07/2054	शनि	31/01/2072	बुध	11/02/2089	केतु	26/10/2105
गुरु	22/10/2044	शनि	14/05/2057	बुध	08/05/2074	केतु	23/03/2090	शुक्र	26/08/2108
शनि	30/11/2045	बुध	01/12/2059	केतु	14/04/2075	शुक्र	23/05/2093	सूर्य	02/07/2109
बुध	28/11/2046	केतु	18/12/2060	शुक्र	13/12/2077	सूर्य	05/05/2094	चंद्र	02/12/2110
केतु	26/04/2047	शुक्र	19/12/2063	सूर्य	01/10/2078	चंद्र	04/12/2095	मंगल	29/11/2111
शुक्र	25/06/2048	सूर्य	12/11/2064	चंद्र	31/01/2080	मंगल	12/01/2097	राहु	17/06/2114
सूर्य	31/10/2048	चंद्र	14/05/2066	मंगल	06/01/2081	राहु	19/11/2099	गुरु	22/09/2116
चंद्र	01/06/2049	मंगल	01/06/2067	राहु	01/06/2083	गुरु	02/06/2102	शनि	12/02/2119

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 0 वर्ष 3 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।